श्री की सरकार थी तो उस समय भी उत्तर प्रदेश सीमेंट कारपोरेशन को हमारे ही सदन के सम्मानित सदस्य श्री संजय डालमिया को बेचने का काम उन्होंने बहुत ही सस्ते दरों पर किया था।.... जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया था और मान्यवर, मैं यह भी ...(व्यवधान)...मान्यवर, जिस समय मुलायम सिंह की सरकार वहां थी, संजय डालमिया को पोजेशन दिलाने के लिये 9 मजदूरों की हत्या की गई थी।

SHRI SANJAY DALMIA: I object to this. ((Interruptions)... He can-not talk about me like this. (Interruptions) ...

श्री राजनाथ सिंह : मान्यवर, इतनी सस्ती दर पर मुलायम सिंह के समय बेचा गया था। ...(व्यवधान)...

SHRI SANJAY DALMIA: He can. not talk like this. (Interruptions).. .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY); We are on the sugar mills. (Interruptions)...

श्री राजनाथ सिंह : अब उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह की सरकार द्वारा चीनी मिलों को भी माटी के भाव पर बेचा जायेगा। इसलिये संघ प्रिय गौतम जी ने इस मामले को उठाया है। मैं चाहूंगा कि भारत सरकार इस मामले में पूरी तरह से हस्तक्षेप करे और इस तरह के मनमाने तरीके से चीनी मिलों को बेचने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिये।

श्री संजय डालमिया : अगर हिम्मत है तो बाहर चार्ज लगाओ।...(व्यवधान)... Let him speak outside (Interrup-tions) ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY):. Kindly take your seats. (Interruptions) . Kindly take your seats. (Interruiptionsd

SHRI SANJAY DALMIA: Let him speak outside. (Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Dalimia, don't speak now. Kindly take young sea. Mr. Janardan Yadav.

Reported Accident in Bokaro Steel Plant

श्री जनार्दन यादव (बिहार) : उप-सभाध्यक्ष महोदय, मैं आपका और इस सदन का ध्यान "बोकारो" कारखाने के अन्दर 23 जुलाई को वाशर पाइप फटने के कारण हुई दुर्घटना की ओर दिलाना चाहता हूं जिसमें पांच मजदूर अभी तक मर चुके हैं और अनेकों मजदूर घायल होकर अस्पताल में जिन्दगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

महोदय, 23 अप्रैल को "बोकारो" कारखाने में इसी प्रकार की एक दुर्घटना हुई थी, जहरीली गैस का पाइप फट चुका था, तीन आदमी मर चुके थे। 23 अप्रैल और 23 जुलाई, यानी मरने वालों की संख्या तो बढ़ती जा रही है और उस कारखाने के मजदूर रात-दिन परिश्रम करके वहां लाभकर उत्पादन कर रहे है। यानी स्टील अथारिटी आफ इंडिया में 4 अरब 50 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है, जिसमें 3 अरब 20 करोड़ रुपये का लाभ सिर्फ "बोकारो" ने दिया है। लाभ देने के लिये मजदूर लेकिन मजदूरों की सुरक्षा के लिये वहां कोई व्यवस्था नहीं। वहां मेंटेनेंस और आप-रेशंस ये दो विभाग हैं, लेकिन इन दोनों विभागों के पदाधिकारी क्या करते हैं? 22 साल से वह पुराना पाइप लगा हुआ है, चाहे गैस का पाइप हो, चाहे वाश का पाइप हो, वह पाइप जर्जर हो चुका है लेकिन उस पाइप को बदला नहीं गया है। जो 23 अप्रैल को घटना घटी, उसमें जो लोग मारे गये, उसके लिये जो जिम्मेदार हैं उसको सजा दी जानी चाहिये।

[श्री जनार्दन यादव]

दूसरी बात मैं आपको बताना चाहता हूं कि "बोकारो" कारखाने के नवीनीकरण के लिये, पुराने सामानों को बदलने के लिये 1600 करोड़ रुपये की स्वीकृति हुई है, उसमें से 500 करोड़ रुपये सिर्फ भोजन कक्ष बनाने में खर्च हो चुके हैं और जो पाइप सड़े हुए हैं जिनसे गैस आता है, वाश आता है, उसको नहीं बदलते हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहूंगा कि "बोकारो स्टील प्लांट" में जो दुर्घटनाएं घटी हैं, 23 अप्रैल को भी घटी थी, उसकी जांच रिपोर्ट आ गई है और अब जो दुर्घटना घटी है, इसकी जांच उस कमेटी से नहीं कराई जानी चाहिये। मैं आपसे आग्रह करूंगा कि सदन से एक कमेटी बनाकर "बोकारो स्टील प्लांट" में हो रही दुर्घटनाओं की जांच की जाय और जो उन दुर्घटनाओं के लिये जिम्मेदार हैं, उनको सजा मिलनी चाहिये।

श्री गया सिंह (बिहार) : उपाध्यक्ष महोदय, बोकारो में अभी जो घटना हुई है, मैं उसी संबंध में हाऊस को जानकारी देना चाहता हूं और यह चाहता हूं कि सरकार इस बारे में विस्तार से एक बयान इस हाऊस में रखे क्योंकि जैसा कि माननीय सदस्य ने अभी कहा कि बोकारो स्टील में पिछले 3 सालों में हिन्दुस्तान में किसी भी पब्लिक सेक्टर यूनिट के मुकाबले रिकार्ड प्रोडक्शन भी हुआ है और रिकार्ड प्राफिट भी हुआ है। लेकिन दूसरी ओर पिछले 3 सालों के अन्दर 1991-92 में कोक ओवेन हैड के बाई-प्रोडक्ट में इसी तरह से मेंटेनेंस का काम करते हुए एक्सप्लोज हुआ और कई मजदूर और अफसर उस घटना में मारे गये। अभी 23 अप्रैल की घटना आपने सुनी और अभी 23 जुलाई को जो घटना हुई है स्टील मैल्टिंग शाप में, वह भी दर्दनाक है। उस मेंटेनेंस शाप में जो मजदूर काम कर रहे थे, वे डिपार्टमेंट की तरफ से काम नहीं कर रहे थे। वे प्राइवेट ठेकेदार की ओर से काम कर रहे थे। वहां करीब 40 मजदूर महिलायें और पुरुष काम कर रहे थे और वहां जो गरम पानी बॉयलर से आ रहा था, उसकी वजह से पाईपलाइन में एक्सप्लोजन हुआ जिसमें एक मजदूर तो तत्काल घटना स्थल पर मर गया और 23 मजदूरों को अचेतावस्था में बोकारो स्टील अस्पताल में भर्ती कराया गया।

महोदय, उन मजदूरों में से चार की मृत्यु कल हो गई और एक सीनियर अधिकारी, डिप्टी मैनेजर की आज सुबह मृत्यु हुई है। कुल मिलाकर अभी तक 5 व्यक्ति मर चुके हैं और 14 व्यक्ति गरम पानी से बुरी तरह से झुलस गए हैं और वे मरने की स्थिति में हैं।

मैं सरकार से यह कहना चाहता हूं कि ये जो घटनाएं हो रही हैं, इनमें एक संभावना तो यह हो सकती है कि लापरवाही के कारण ये दुर्घटनाएं हुई है। दूसरी संभावना यह हो सकती है कि सबोटॉज का प्रयास किया गया हो क्योंकि जिस तरह से वहां उत्पादन बढ़ रहा है और पब्लिक सैक्टर में जिस तरह से बोकारो स्टील ने इतना रिकार्ड उत्पादन किया है, उससे एक दुर्भावना दूसरों के मन में पैदा हो सकती है। इस बारे में कई तरह के संदेह प्रकट किए जा रहे हैं और एक आतंक का वातावरण मजदूरों में है क्योंकि पूरे स्टील प्लांट में कई तरह की पाईपलाइनें हैं और कई तरह की गैसेज हैं और उनसे भयंकर दुर्घटना हो सकती है। इसलिए सदन से मेरी यह मांग है कि एक ज्वाइंट कमेटी इसकी जांच करे जैसा कि हमारे साथी ने कहा है और इसकी जिम्मेदारी सदन को लेनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

महोदय, आपके माध्यम से मैं सरकार से मांग करना चाहता हूं कि जितने लोग मरे हैं, उनको परमानेंट इम्प्लॉयीज की तरह से मुआवजा दिया जाए और तमाम ऐसे लोग जिनका फेटल एक्सीडेंट हुआ है, उनके आश्रितों को नौकरी दी जाए और जो विकलांग हो चुके हैं या होने वाले हैं, उनके बच्चों या आश्रितों को नौकरी दी जाए, कंपनसेशन मिले और

इस घटना की जांच ज्वाइंट पार्लियामेंटरी कमेटी के माध्यम से कराई जाए, मेरी आपके माध्यम से यही मांग है।

Re. Discharge of flood water from Punjab into Haryana .

SHRI S. S. SURJEWALA (Haryana): Mr. Vice-Chairman Sir. I want to raise a matter regarding discharge of flood water from Punjab through the SYL. canal. The construction of tha SYL canal was started about 12 years ago. This canal was built to carry Haryana's share of water from the Ravi-Beas rivers to the State of Haryana. This canal is almost complete but for a few gaps in Punjab. Therefore, the water has not started running in the canal. On the one hand, 12 years have elapsed and more than Rs. 400 crores have been spent. The farmers of Haryana are waiting for the receipt of water. Sir, due to the recent floods on account of heavy rains in Punjab and Haryana re. gions, the Punjab Administration is using this canal to discharge the flood water. It has already flooded two districts of Haryana i.e. Karnal and Kurukshetra Already hundreds of awas of land, paddy and other crops are under water. Many house.: and Abaadis have been washed away: The canal is flowing to the full capacity because flood water is being discharged through this canal by the Punjab Administration.

SHRI SURIDER KUMAR SIN GLA (Punjab): Sir, when the canal is not complete, how can it discharge water? This canal has been used to discharge water... (Interruptions) There is nothing to laugh about. I have already said that the canal is almost built. Onlv a few gaps are there and, that is why the water could not be run into the cnnnal. It is a pucca cannal and moreover, the canal will he rendered completely useless; its lining will be damaged and most of the canal will be filled with silt wa ter. Whenever the canal water has to , be discharged, the cannal has to be [desilted. Therefore, I demand that the Central Government should intervene, the flood water should be shopped from flowing into that canal and the canal should be restored at the cost of the Punjab Administration because the canal has already been .filled with silt On account of the flood water and its lining has been damaged. Also the water already discharged should be stopped and the people whose houses have been washed away, whose lands and fields have flooded, should be given proper compensation. Thank you.

__Situation arising oat of the .... resignation of 1G M.L.A.S in Sikkim

श्री महेश्वर सिंह (हिमाचल प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, यह तथ्य सर्वविदित है कि दिसम्बर, 1992 प्रजातंत्र की हत्या करके लोकतंत्र का गला घोंटकर इस कांग्रेसी सरकार ने एक नहीं बल्कि बार-बार प्रदेशों की जनता द्वारा चुनी हुई सरकारों को भंग किया था और संविधान की धारा—356 का असंवैधानिक सहारा लेते हुए इन सरकारों को भंग किया गया था और दूसरी तरफ यही सरकार आज पूर्वोत्तर... (व्यवधान)

SHRI DAVID LEDGER (Assam): This matter has already been decided in the Court , .. (Interruptions)

श्री अजीत जोगी : (मध्य प्रदेश): सुप्रीम कोर्ट ने क्या फैसला दिया ?

श्री महेश्वर सिंह : जोगी जी, दूसरे को न बोलने देना, आप क्यों इस बात के रोगी हैं। आप बोल लेना अपनी बात हमको अपनी बात पूरी करने दीजिए।,

श्री अजीत जोगी: सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है।

श्री महेश्वर सिंह : आप बोलने तो दीजिए, सुनने की जरा हिम्मत रखिए